

प्रथम,

आर०के०मिश्र

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन,

सवा में,

मुख्य वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक ०३ अक्टूबर, 2008

विषय:- अनुदान सं०-27 के राज्य सैक्टर आयोजनागत पक्ष की पूंजीगत योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2008-09 की वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-नि०1414/35-1-बी दिनांक 16 अप्रैल, 2008, पत्र सं०-नि०8135-1-बी दिनांक 16 जुलाई, 2008 तथा पत्र सं०-नि०326/35-1-बी दिनांक 04 सितम्बर, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न तालिका में अंकित विवरण अनुसार वन विभाग के अन्तर्गत पूंजीगत पक्ष में संचालित योजनाओं हेतु वर्ष 2008-09 में रु० 12,50,00,000/- (रु० बारह करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का अहरण / व्यय वास्तविक आवश्यकता अनुसार किस्तों में किया जाय.
2. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय. विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008, तथा वित्त विभाग के पत्र सं०-326/XXVII(1)/2008, दिनांक 23 अप्रैल, 2008 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. निर्माण कार्य सम्बन्धी आगणनों पर सक्षम स्तर का अनुमोदन पूर्व में ही प्राप्त कर लिया जाय तथा यथा-आवश्यकता नियमानुसार प्रशासनिक स्वीकृति पृथक से प्राप्त की जाय. बी.एम.-13, 17 पर धनराशि व्यय अवमुक्ति सम्बन्धी सूचनार्य एवं विवरण समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड प्रोक्यूरमेन्ट नियमावली, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), वित्तीय हस्तपुस्तिका में अंकित सुसंगत नियमों/प्रतिबन्धों, आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. वृहत निर्माण कार्य के अन्तर्गत रु० 5.00 लाख से अधिक के कार्यों का आगणन गठित कर शासन की सहमति से व्यय किया जाय.
3. योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो समक्ष स्तर से सहमति/स्वीकृति ली जाय.
4. क्षेत्र की योजना के सापेक्ष आवंटन अपने स्तर से किया जाय तथा धनराशि का आहरण यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.

क्रमशः.....2

प्र

5. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
 6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
 7. अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत संलग्न तालिका में अंकित विवरणानुसार उल्लिखित मदों के नामे डाला जायेगा.
3. ये आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं०-267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 तथा शासनादेश सं०-326/XXVII(1)/2008, दिनांक 23 अप्रैल, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं.

भवदीय

(आर०के०मिश्र)
अपर सचिव

संख्या-3121 (1)/X-2-2008, तद्दिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
4. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-1 / 4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
5. निजी सचिव, माननीय मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन.
6. निजी सचिव, मा० वन एवं पर्यावरण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन.
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन.
8. आयुक्त, कुमाऊँ, गढ़वाल मण्डल.
9. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून.
11. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. प्रभारी, मीडिया सेक्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
15. गाई फाइल (जे).

(आर०के०मिश्र)
अपर सचिव

31/3/08

शासनादेश सं०-3171 /X-2-2008-12(4)/2008 दिनांक 03 अक्टूबर, 2008 का संलग्नक:-

क्र०सं०	योजना का नाम / मानक मद	मद प्रकार	बजट प्राविधान	वर्तमान स्वीकृति
1	2	3	4	5
	4406- वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय			
	01-वानिकी			
	101-वन संरक्षण और विकास			
1	03- वन मोटर मार्गों का सुदृढीकरण			
	24- वृहत निर्माण कार्य	साख सीमा	60000	60000
	योग		60000	60000
2	04- वन विभाग के आवासीय / अनावासीय भवनों का निर्माण			
	24- वृहत निर्माण कार्य	साख सीमा	50000	50000
	योग		50000	50000
3	06- इको टूरिज्म			
	24- वृहत निर्माण कार्य	साख सीमा	15000	15000
	योग		15000	15000
	कुल योग		125000	125000

(वर्तमान स्वीकृति रु० बारह करोड़ पचास लाख मात्र)


(आर०के०मिश्र)
अपर सचिव
